देहरादून (उत्तराखण्ड)
शुक्रवार 24.10.2025
समय 07.20

मुख्य समाचार :–

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश के युवाओं से आह्वान किया है कि वे संकल्प लेकर लक्ष्य निर्धारित करें और उत्तराखंड को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।
- मुख्यमंत्री ने कहा– प्रदेश सरकार देवभूमि उत्तराखंड की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण तथा संवर्धन के लिए लगातार कार्य कर रही है।
- उत्तरकाशी में मां यमुना की डोली खरसाली गांव और मां गंगा की डोली मुखवा गांव पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया।
- अल्मोड़ा जिले के बग्वालीपोखर में ऐतिहासिक और पौराणिक तीन दिवसीय बग्वाई कौतिक मेला शुरू।

मुख्य सेवक युवा संवाद

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने युवाओं से आह्वान किया है कि वे संकल्प लेकर लक्ष्य निर्धारित करें, आगे बढ़ें और अपने करियर का निर्माण करते हुए उत्तराखंड को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। खटीमा में आयोजित 'मुख्य सेवक युवा संवाद' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जब युवा ऊर्जा, उम्मीद और सकारात्मक सोच से भरे होते हैं, तो वातावरण अपने आप उत्साह से भर जाता है।

श्री धामी ने कहा कि भारत की आर्थिक और सामाजिक प्रगति इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि देश के युवा सजग और जागरूक हैं। उन्होंने कहा कि आज उत्तराखंड के हजारों युवा सेना और रक्षा सेवाओं, सरकारी और निजी नौकरियों, स्टार्टअप्स और नए व्यवसायों में उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका मानना है कि 'युवा संवाद' भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को सशक्त करने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार देवभूमि उत्तराखंड की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण तथा संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

डोली यात्रा

12 ज्योतिर्लिंगों में से एक श्री केदारनाथ धाम के कपाट बंद होने के बाद बाबा की पंचमुखी उत्सव डोली विभिन्न पड़ावों से होते हुए कल ऊखीमठ स्थित ओंकारेश्वर मंदिर पहुंचेगी। डोली के रात्रि प्रवास के लिए पहले पड़ाव रामपुर पहुंचने पर स्थानीय ग्रामीणों के साथ ही बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने अक्षत और चंदन का अर्घ्य अर्पित कर बाबा केदारनाथ का स्वागत किया। आज डोली गुप्तकाशी पहुंचेगी, जहां उत्सव की तैयारियां चल रही हैं।

उधर, उत्तरकाशी में मां यमुना की डोली खरसाली गांव और मां गंगा की डोली मुखवा गांव पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। इस अवसर पर गंगा और यमुना को स्थानीय पकवानों से तैयार विभिन्न भोग अर्पित किए गए।

यमुनोत्री मंदिर समिति के प्रवक्ता पुरुषोत्तम उनियाल ने बताया कि इस यात्रा काल में समिति को लगभग 50 लाख रुपये की आय हुई है।

रेल

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने त्योहारों के दौरान यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए आज नई दिल्ली में रेल भवन के वॉर रूम से विशेष रेलगाडियों की समीक्षा की। उन्होंने छठ पूजा से पहले रेलवे की तैयारियों की समीक्षा भी की। त्योहारों के दौरान बढ़ती यात्रियों की संख्या को नियंत्रित करने के लिए वॉर रूम की स्थापना की गई है। श्री वैष्णव ने कहा कि देश भर में तीन स्तरीय वॉर रूम हैं।

नियमित ट्रेन सेवाओं के अलावा अगले चार दिन तक प्रतिदिन औसतन 300 विशेष रेलगाडियों के साथ एक हजार पांच सौ विशेष रेलगाडियां चलाई जाएंगी।

शिक्षा पुरस्कार

नैनीताल स्थित प्रतिष्ठित आवासीय बालक विद्यालय बिड़ला विद्या मंदिर ने एजुकेशन वर्ल्ड इंडिया की राष्ट्रीय स्तर की रैंकिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर उत्तराखंड का नाम रोशन किया है।

राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित स्कूल रैंकिंग में विद्यालय को 'स्कूल ऑफ द ईयर 2024–25' का खिताब प्रदान किया गया है। साथ ही, वर्ष 2025–26 के लिए इसे देशभर के बालक आवासीय विद्यालयों की श्रेणी में दूसरा तथा उत्तराखंड में भी दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है।

विद्यालय के प्रधानाचार्य अनिल कुमार शर्मा ने कहा कि यह सफलता विद्यालय प्रबंधन के मार्गदर्शन, शिक्षकों की निष्ठा, विद्यार्थियों के परिश्रम और अभिभावकों के सहयोग से संभव हुई है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विद्यालय को भविष्य में और अधिक उत्कृष्टता की दिशा में कार्य करने की प्रेरणा देगी।

राज्यपाल

राज्यपाल गुरमीत सिंह से देहरादून स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी की निदेशक भारती ने मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने अकादमी में संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी पहल की जानकारी दी।

राज्यपाल ने अकादमी के प्रयासों की सराहना करते हुए वन संरक्षण और जलवायु संतुलन के क्षेत्र में नवाचारों को बढ़ावा देने तथा जनजागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया।

बग्वाई कौतिक

अल्मोड़ा जिले के बग्वालीपोखर में ऐतिहासिक और पौराणिक तीन दिवसीय बग्वाई कौतिक शुरू हो गया है। भैया दूज के अवसर पर आरंभ हुए इस कौतिक का शुभारंभ कुमाऊँ के प्रसिद्ध छोलिया नृत्य, स्थानीय लोक संस्कृति पर आधारित कार्यक्रमों और स्कूली बच्चों की प्रस्तुतियों के साथ हुआ।

तीन दिन तक चलने वाले इस मेले में कुमाऊँ की संस्कृति और परंपराओं की झलक देखने को मिलती है। मेले का शुभारंभ स्थानीय विधायक मदन सिंह बिष्ट ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ऐसे मेले पहाड़ की संस्कृति के संरक्षण के साथ ही आधुनिक विकास का भी प्रतीक हैं।

मेले में नगारे निशान, ध्वजा, पताका, ढोल–दमाऊ, मशक बिन के धुन पर हाथों में ढाल–तलवार लिए नृत्य करते ग्रामीण आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

हाथियों की सुरक्षा

ऊधम सिंह नगर जिले में वन विभाग, रेलवे और परिवहन विभाग हाथियों से जुड़ी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए लगातार समन्वय में काम कर रहे हैं। तराई केंद्रीय वन प्रभाग के डीएफओ यू. सी. तिवारी ने बताया कि रेल लाइनों पर रेलवे द्वारा अलर्ट सिस्टम स्थापित करने की नई पहल की जा रही है, जिससे समय रहते हाथियों की लोकेशन की जानकारी रेलवे कंट्रोल रूम के माध्यम से लोको पायलट को मिल

सकेगी। वहीं परिवहन विभाग द्वारा सड़कों पर वाहनों की रफ्तार पर नियंत्रण के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

हिम तेंदुआ दिवस

उत्तरकाशी, चमोली और रुद्रप्रयाग के साथ ही प्रदेश के अन्य जिलों में 23 अक्टूबर को 'अंतरराष्ट्रीय हिम तेंदुआ' दिवस मनाया गया। चमोली जिले में आयोजित रैली में अलकनंदा भूमि संरक्षण वन प्रभाग के साथ स्कूली छात्र–छात्राओं और स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर केदारनाथ वन्यजीव प्रभाग के प्रभागीय वनाधिकारी सर्वेश कुमार ने बताया कि वर्तमान में देश में हिम तेंदुओं की संख्या 718 है और उत्तराखंड में हिम तेंदुओं की संख्या 124 है। वर्ष 2019 की गणना के अनुसार नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान में 33 हिम तेंदुए पाए गए थे।

उधर, उत्तरकाशी जिले में भी हिम तेंदुआ संरक्षण से जुड़ी विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रभागीय वन अधिकारी देवी प्रसाद बालोनी ने बताया कि इस अवसर पर गंगोत्री नेशनल पार्क क्षेत्र में हिम तेंदुओं के संरक्षण और जन–जागरूकता के लिए एक अभियान चलाया गया।

और अब एक नजर आज के समाचार पत्रों की सुर्खियों पर....

भैयादूज पर केदारनाथ व यमुनोत्री के कपाट बंद होने की खबर को सभी समाचार पत्रों ने स–चित्र प्रमुखता से प्रकाशित किया है। दैनिक जागरण लिखता है– आस्था के रंग में रंगा हिमालय, जयकारों से गूंजा। अमर उजाला लिखता है – हर–हर महादेव के जयघोष संग केदारनाथ मंदिर के कपाट बंद।

अग्निवीर निशुल्क भर्ती प्रशिक्षण की गाइड लाइन की खबर पर हिन्दुस्तान समाचार पत्र लिखता है – अग्निवीर निशुल्क प्रशिक्षण को 45 प्रतिषत अंक जरूरी। राष्ट्रीय सहारा लिखता है – अग्निवीर भर्ती पूर्व प्रशिक्षण एसओपी तैयार।